एमएसओ

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

द्वितीय वर्ष

एम.ए. समाजशास्त्र

जुलाई 2026 एवं जनवरी 2027 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य

एमएसओई 001	:	शिक्षा का समाजशास्त्र
एमएसओई 002	:	प्रवासी और पराराष्ट्रीय समुदाय
एमएसओई 003	:	धर्म का समाजशास्त्र
एमएसओई 004	:	नगरीय समाजशास्त्र
एमपीएस 003	:	भारत : लोकतंत्र और विकास
एमपीए 016	:	विकेंद्रीकरण एवं स्थानीय शासन

समाजशास्त्रसंकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ

सत्रीय कार्य कोड : एमएसओई-001, 002, 003, 004, एमपीएस-3, एमपीए-16/

सत्रीय कार्य/टीएमए/2026–27

सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

समाजशास्त्र मेंस्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. समाजशास्त्र) केसदंर्भ मेंकायर्क्रम दर्शिका मेंहमने बताया है कि समाजशास्त्र केप्रत्येक पाठयक्रम केलिए आपकोएक ***अध्यापक*** जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) पूरा करना होगा।

इन सत्रीय कार्यों में प्रश्न पूछने का अर्थ आपकी योग्यता का पता लगाना है कि आप प्रश्न का वर्णन, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टि से इसे कैसे स्पष्ट करते हैं और इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आपको विषयवस्तु की संपूर्ण जानकारी हैं और आप इस पर क्रमबद्ध एवं संसक्त ढंग से लिख सकते हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल मिलाकर दस प्रश्न हैं और यह दो भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न शामिल हैं।

प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दें। अगर 10 अंक वाला लघु प्रश्न हो तो उसका उत्तर 250 शब्दों में दें। हमारा परामर्श है कि इन सत्रीय प्रश्नों को अपने सहपाठी तथा अकादमिक परामर्शदाता से चर्चा करके लिखने का प्रयास करें। जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें।

सत्रीय कार्य पूरा करके संबद्ध अध्ययन केंद्र के संयोजक को इसे निम्नलिखित समय–सूची के अनुसार भेज दें :

सत्रीय कार्य	**जमा कराने की तारीख**	**किसे भेजें**
जुलाई 2026 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**31 मार्च, 2027**	**संबद्ध अध्ययन केन्द्र का संयोजक**
जनवरी 2027 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**30 सितम्बर, 2027**	

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की प्रतिलिपि अवश्य रखें। मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र द्वारा सत्रीय कार्यों को लौटाना होगा। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र को मूल्यांकन के बाद अंक, विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजना ज़रूरी होता है।

सत्रीय कार्यकरते समय कुछ ज़रूरी बातों को ध्यान में रखना

सत्रीय कार्य करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा :

1 **नियोजन :** सत्रीय, कार्यों को सावधानी से पढ़ें। इनसे जुड़ी इकाइयों का अध्ययन भलीभाँति करें। प्रत्येक प्रश्न से जुड़े उपयोगी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें और फ़िर उन्हें तार्किक दृष्टि से क्रमबद्ध करें।

2 **व्यवस्थापन** : पक्का उत्तर लिखने से पहले कच्चा कार्य करें और फिर उत्तर लिखें। प्रारंभिक और अंतिम भाग की ओर पर्याप्त ध्यान दें।

3 **प्रस्तुति** : अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो जमा कराने के नज़रिए से पक्का उत्तर लिखें। उत्तर साफ–साफ लिखें और ज़रूरी बिदुओं को रेखांकित करें। प्रत्येक उत्तर निर्धारित सीमा में होना आवश्यक है।

शुभकामनाओं सहित!

कार्यक्रम संयोजक
एम.ए.समाजशास्त्र
समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इग्नू, मैदान गढी, नई दिल्ली–110068

भारत : लोकतंत्र और विकास (एमपीएस–003)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

विशय कोड : एपीएस–003
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी / एमपीएस–003 / 2026-2027
पूर्णांक: 100

निर्देश: नीचे दिए गए दो खंडों (SECTION-I और SECTION-II) में से कम से कम दो प्रश्न प्रत्येक खंड से चुनते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग 500 शब्दों में होना चाहिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खंड – I

1. स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत की विकास रणनीति को आकार देने वाले प्रतिस्पर्धी विकास मॉडलों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। राष्ट्रीय आंदोलन की विरासत ने इन विकल्पों को किस प्रकार प्रभावित किया?

2. सामाजिक परिवर्तन के एक साधन के रूप में भारतीय संविधान का परीक्षण कीजिए। जाति और वर्ग पर आधारित असमानताओं को दूर करने में यह किस सीमा तक सफल रहा है?

3. भारत में संघवाद और लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के मध्य संबंध का विश्लेषण कीजिए। स्थानीय स्वशासन संस्थाओं को प्रभावी रूप से शक्तियों के हस्तांतरण में कौन-कौन से कारक बाधा उत्पन्न करते हैं?

4. भारत में राजनीतिक भागीदारी की बदलती प्रकृति का विश्लेषण कीजिए। लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने में राजनीतिक दलों तथा गैर-दलीय संस्थाओं की क्या भूमिका है?

5. निम्नलिखित पर लगभग **200-250 शब्दों** में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:
(क) नौकरशाही और लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व
(ख) मीडिया और सार्वजनिक नीति

खंड – II

6. स्वास्थ्य, शिक्षा तथा सामाजिक सुरक्षा के विशेष संदर्भ में भारत के मानव विकास के अनुभव का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

7. विश्लेषण कीजिए कि लैंगिक असमानताएँ भारत में विकास के परिणामों को किस प्रकार प्रभावित करती हैं। विकास के प्रति लैंगिक-संवेदनशील दृष्टिकोण के महत्व की विवेचना कीजिए।

8. भारत में क्षेत्रीय असंतुलन और प्रवासन के मध्य संबंध का परीक्षण कीजिए। ये प्रक्रियाएँ असमान विकास को किस प्रकार और अधिक सुदृढ़ करती हैं?

9. भारत में लोकतंत्र और विकास पर आर्थिक सुधारों तथा वैश्वीकरण के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए, विशेष रूप से असमानता और पर्यावरणीय सततता के संदर्भ में।

10. निम्नलिखित पर लगभग **200-250 शब्दों** में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:
(क) धार्मिक राजनीति और लोकतांत्रिक विकास
(ख) नृजातीयता और राष्ट्र-राज्य